एम्स दिल्ली और जोधपुर की टीम कोटा के जेके लोन और नए अस्पताल पहुंची

कोटा में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामलों के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाई लेवल जांच कमेटी गठित की है

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में जांच जारी है। पूरे घटनाक्रम के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बात की थी। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के निर्देश पर एक हाई लेवल कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी में एम्स दिल्ली और जोधपुर के डॉक्टर शामिल हैं। यह पूरी टीम शनिवार कोटा पहुंची और अस्पताल का जायजा लिया। इसकी अध्यक्षता एम्स दिल्ली की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. रीता माहे कर रही हैं।

कमेटी में पीएसएम, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, गाइनेकोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजी, एनेस्थीसिया व पीडियाट्रिक्स के चिकित्सक शामिल हैं। कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में घंटों तक निरीक्षण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया गया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड देखा गया। नर्सिंग केयर की जानकारी ली गई। ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम की व्यवस्थाओं को समझा गया। कमेटी ने मरीजों की एंट्री से लेकर एग्जिट तक के पूरे प्रोसेस और उपचार में लगे समय की जानकारी ली। टीम ने उपचार में लगे डॉक्टरों और नर्सिंग कर्मियों को बुलाकर पूछताछ भी की।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा के अनुसार कमेटी प्रसूताओं की मौत और गंभीर बीमार होने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। नर्सिंग रिकॉर्ड को बारीकी से देखा गया। सभी मेडिकल इन्वेस्टिगेशन और मरीजों को हैंडल करने की प्रक्रिया की जानकारी ली गई। इसके अलावा ठीक हुए केसों के बारे में भी पूछताछ की गई। इस कमेटी में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के डॉ. रंजन सिंह, पीडियाट्रिक्स के डॉ. अंकित वर्मा, एनेस्थीसिया के डॉ. दालिम सिंह, माइक्रोबायोलॉजी के डॉ. गगनदीप सिंह और एम्स जोधपुर की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनीषा झीरवाल शामिल हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल और जेके लोन हॉस्पिटल में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के मामले में हाई लेवल कमेटी ने जांच की।

- **कमेटी ने जेके लोन और मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में निरीक्षण किया और भर्ती मरीजों का रिकॉर्ड लिया, जिन प्रसूताओं की मौत हुई उनके ट्रीटमेंट का रिकॉर्ड भी देखा**

झुंझुनूं में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

सुसाइड करने से दो मिनट पहले व्हाट्सऐप स्टेटस पर तीन पेज का नोट डाला

- **सुसाइड नोट में कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर कदम उठाने की बात लिखी**

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के न्यू हाउसिंग बोर्ड के पास एक घटना में एक व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान वाहिदपुरा हाल रीको निवासी विमल उर्फ विमलेश शर्मा के रूप में हुई है। वह सीकर में नौकरी करता था और रोजाना ट्रेन से अपडाउन करता था। शनिवार को भी सीकर जाने वाली ट्रेन स्टेशन पर खड़ी थी, जिसमें बैठकर उसे काम पर जाना था, लेकिन वह उसमें नहीं बैठा और दूसरी ओर से आ रही सीकर-रेवाड़ी ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को मृतक के पास से तीन पेज का सुसाइड नोट मिला।

बताया जा रहा है कि आत्महत्या से महज दो मिनट पहले उसने यही सुसाइड नोट अपने व्हाट्सऐप स्टेटस पर भी लगाया था। सुसाइड नोट में उसने कथित ठगी और सूदखोरी से परेशान होकर यह कदम उठाने की बात लिखी है। सुसाइड नोट में मृतक ने चूरू निवासी मुकेश चौहान, स्वाति चौहान, उज्जवल लोहिया और योगेश भाटी सहित अन्य लोगों पर उसके भाई से शेयर में निवेश के नाम पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। उसने लिखा कि जब मुनाफा मांगा गया तो आरोपियों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए उसने अनिल सुंडा और विकास वर्मा से ब्याज पर रुपए लिए। लेकिन मूल रकम से ज्यादा ब्याज चुकाने के बावजूद कर्ज खत्म नहीं हुआ। उसने लिखा कि घर, जमीन और गहने तक बिक चुके हैं और वह पूरी तरह टूट चुका है। नोट में मृतक ने लिखा अगर पुलिस सही तरीके से जांच करती और मुझे न्याय मिलता, तो शायद मुझे यह कदम नहीं उठाना पड़ता। उसने यह भी लिखा कि वह अपने परिवार और बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पाया। सुसाइड नोट में सुरेंद्र और उसके दोस्त विजेंद्र का भी जिक्र करते हुए लिखा कि किसी की गरीबी और मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहिए। नोट के अंत में उसने लिखा।

बताया जा रहा है कि आशु उसकी छोटी बेटी और बाबू उसका बड़ा बेटा है। घटना के बाद परिजनों ने पहले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक शव लेने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में समझाइश के बाद वे मान गए। मृतक के भाई बाबूलाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया था। लेकिन कोतवाली पुलिस ने एफआर लगा दी। बाद में फाइल दोबारा खुलवाकर जांच शुरू करवाई गई तो सदर पुलिस ने भी एफआर लगा दी। उन्होंने बताया कि करीब एक महीने पहले यह फाइल आईजी जयपुर रेंज ने अपने पास मंगवा ली थी।

अजमेर के नागोला स्कूल में भीषण गर्मी से 12 बच्चे बीमार

- **पानी की कमी से बच्चों तबीयत बिगड़ी, उपचार के बाद सभी स्वस्थ**
- **बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, सभी को अस्पताल पहुंचाया**

अजमेर, (निसं)। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बीच भिनाय क्षेत्र के नागोला गांव स्थित एक विद्यालय में 12 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों ने एक साथ पेट दर्द की शिकायत की, जिससे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विद्यालय प्रशासन ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए सभी बच्चों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया।

चिकित्सकों के अनुसार तेज गर्मी और लू के कारण बच्चों के शरीर में पानी की कमी हो गई थी, जिससे उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई। अस्पताल में बच्चों को आवश्यक उपचार और ग्लूकोज चढ़ाया गया। उपचार के बाद सभी बच्चों की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। स्वास्थ्य सामान्य होने पर चिकित्सकों ने सभी बच्चों को छुट्टी दे दी। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि सभी बच्चे अब पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं।

गंभीर नदी में डूबे युवक का शव मिला

हिंडौन सिटी, (निसं)। जट नगला स्थित गंभीर नदी में शुक्रवार रात एक युवक का शव मिला। सूरौठ थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमॉर्टम कराया है। मृतक की पहचान जट नगला निवासी 23 वर्षीय अनूप जाटव पुत्र रामलाल के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8 बजे युवक का शव नदी में मिला। सूचना मिलने पर सूरौठ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करौली से सिविल डिफेंस टीम के इंचार्ज प्रदीप कुमार भी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू कर शव को नदी से बाहर निकाला। शव को जिला अस्पताल ले जाया गया और मोर्चरी में रखवाया गया। परिजनों ने बताया कि अनूप शाम को घर से निकला था और बाद में नदी में डूबने से उसकी मौत की सूचना मिली। मामले में परिजनों ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मृग दर्ज किया है। मृतक अनूप विवाहित था, घटना के समय उसकी पत्नी पीहर में थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। वह मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था।

डूंगरपुर में डंपर की टक्कर से दो युवकों की मौत, एक घायल

डूंगरपुर-आसपुर रोड पर हुआ हादसा, डंपर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर-आसपुर रोड पर तिजवड स्कूल के पास शुक्रवार देर शाम तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में एक युवक गुजरात से गांव में शादी समारोह में शामिल होने के लिए दो दिन पहले ही लौटा था। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने डंपर ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना एएसआई ने बताया कि सतू देवकी निवासी सुन्तिलाल पारगी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार उसका बेटा राहुल पारगी गुजरात में कारीगरी का काम करता था। गांव में शादी समारोह होने के कारण वह दो दिन पहले ही अपने घर लौटा था। राहुल बाइक लेकर डूंगरपुर गया था। उसके साथ हेमेंद्र कलासुआ पुत्र दिनेश कलासुआ निवासी ऊपर गांव और विशाल परमार पुत्र हरीश परमार निवासी सिदडी, खेरवाड़ा भी मौजूद थे। देर शाम तीनों युवक बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। तिजवड स्कूल के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तीनों के सिरए हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद राहुल और हेमेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल विशाल का अस्पताल में इलाज जारी है।

राहुल के घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं और परिवार खुशियों में डूबा हुआ था, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मृतक के पिता की रिपोर्ट पर डंपर ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली झुंझुनूं ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 11 वर्ष पुराने प्रकरण में वांछित स्थाई वारंटी मुखराम उर्फ मुखिया को पुलिस ने आसूचना के आधार पर दबिश देकर कस्बा झुंझुनूं से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृत्ताधिकारी शहर गोपाल सिंह ढाका के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार एसीजेएम न्यायालय झुंझुनूं के प्रकरण के तहत आरोपी मुखराम उर्फ मुखिया पुत्र रतिराम निवासी मोहल्ला खटीकान, वार्ड नंबर 17, झुंझुनूं लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई टीम में श्रवण कुमार, थाना अधिकारी कोतवाली झुंझुनूं, सुभाषचन्द्र, रमेश, पवन, अंकित शामिल रहे।

डूंगरपुर में दामाद ने पत्नी, सास और ससुर पर हमला किया, तीनों घायल

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव में एक घरेलू विवाद के चलते दामाद ने अपने ससुर, सास और पत्नी पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमझरा निवासी शंकर ने बताया कि उनकी पुत्री सुकना का विवाह देवल निवासी ललित मनात के साथ हुआ था। पति ललित ने अपनी पत्नी सुकना के साथ मारपीट की थी। मारपीट की सूचना मिलने पर सुकना के पिता शंकर और माता अमरी अपनी बेटी को लेने आंमझरा गांव से देवल पहुंचे। माता-पिता पहले देवल चौकी गए और वहां से अपनी पुत्री सुकना को साथ लेकर इको वाहन से वापस अपने गांव आंमझरा जाने के लिए रवाना हुए। जैसे ही परिवार बेटी को लेकर देवल चौकी के पास पहुंचे, घात लगाकर बैठे दामाद ललित मनात ने उनका रास्ता रोक लिया। ललित ने गुस्से में आकर अपने ससुर शंकर, सास अमरी और पत्नी सुकना पर धारदार हथियार और पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में तीनों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे घायल होकर वहीं गिर पड़े। तीनों को गंभीर अवस्था में एक निजी वाहन की मदद से तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर 57 लाख रुपये ठगे

- **सायबर थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, खातों में 1.82 करोड़ का ट्रांजैक्शन मिला**
- **सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पीड़ित को गिरफ्तारी का भय दिखाया था**
- **जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया, दोनों दोस्त बताए जा रहे हैं**

अजमेर, (कासं)। अजमेर सायबर थाना पुलिस ने रिटायर्ड वेटरनरी अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने सायबर ठगों को इस्तेमाल के लिए फर्म के नाम पर करंट अकाउंट उपलब्ध करवाए थे। पुलिस जांच में इन खातों में करीब 1 करोड़ 82 लाख रुपए के ट्रांजैक्शन सामने आए हैं।

सायबर थाने के सीओ शमशेर खां ने बताया कि वेटरनरी विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी जगदीश कुमार को सायबर ठगों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी का भय दिखाया था। आरोपियों ने उन्हें 13 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर रखा और इसी दौरान करीब 57 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित अधिकारी ने जनवरी 2026 में सायबर थाने में मामला दर्ज करवाया था।

शिकायत के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने ठगी में इस्तेमाल हुए बैंक खातों की डिटेल खंगाली और रकम के ट्रांजैक्शन का विश्लेषण किया। जांच के आधार पर पुलिस ने नॉर्थ ईस्ट दिल्ली निवासी सलमान खान और योगेंद्र सिंह को नागौर जेल से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने सायबर ठगों को उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फर्म के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाए थे। इन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर होती थी और बदले में दोनों आरोपियों को करीब 2 प्रतिशत कमीशन दिया जाता था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि रिटायर्ड अधिकारी से ठगे गए करीब 10 लाख रुपए आरोपियों द्वारा उपलब्ध करवाए गए खातों में ट्रांसफर हुए थे। खातों में कुल 1.82 करोड़ रुपए से अधिक के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं। फिलहाल सायबर थाना पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचला, एक की मौत

हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, पुलिस और एंबुलेंस ने अस्पताल पहुंचाया

- **हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के हरिपुरा चौराहे के पास शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि चारों युवक लहूलुहान होकर दूर जा गिरे और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और 108 एंबुलेंस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार देर रात हरिपुरा चौराहे के समीप चार युवक सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान एक अज्ञात कार अत्यधिक तेज गति से आई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक उस पर से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे युवकों को अपनी चपेट में लेते हुए निकल गई। धमाके की आवाज और युवकों की चीखें सुनकर आसपास के होटल व ढाबों से लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़े। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 आपातकालीन सेवा मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के पायलट प्रभु प्रजापत, केनपाल गुर्जर तथा मेल नर्स दीपक दाधिच एवं कमलेशी देवी गुर्जर ने तत्परता दिखाते हुए तत्कालों घायलों को संभाला और बिना समय गंवाए उन्हें उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। हादसे में घायल सलमान फकीर (23), संजय (20) और टीपू (22) को प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल मोनु पोल को डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घायलों की हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

भीलवाड़ा : चार राज्यों में आतंक मचाने वाला शातिर नकबजन जिम्मी गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं

- **रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया**
- **पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस टीम ने क्षेत्र के बंशी विहार (बापूनगर) में हुई एक बड़ी चोरी की वारदात का महज़ कुछ ही दिनों में पर्दाफाश करते हुए देश के चार राज्यों में सक्रिय अंतर्राज्यीय शातिर नकबजन जिम्मी उर्फ दीपक शर्मा को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी और महाराष्ट्र के नंदुरबार थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ अलग-अलग राज्यों में 60 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि गत गत 11 जनवरी को प्रार्थी अनिल कुमार जाट, निवासी बंशी विहार कॉलोनी, बापूनगर रायला ने थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 11 जनवरी को शाम पांच से सवा छह बजे के बीच जब परिवार बाहर था, तब अज्ञात बदमाशों ने उनके सूने मकान का ताला तोड़कर तिजोरी में रखे 67 हजार रुपये नकद, सोने का मांग टीका, सोने की दो अंगूठियां, तीन जोड़ी चांदी की पायलें और चांदी के कड़े सहित अन्य जेवरात चोरी कर लिए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। चोरी की गंभीर वारदात को देखते हुए वृताधिकारी गुलाबपुरा जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में रायला थानाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच के दौरान सामने आया कि डूंगरपुर की कोतवाली पुलिस ने हाल ही में एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो जिला कारागृह डूंगरपुर में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। इस पर रायला पुलिस टीम डूंगरपुर पहुंची और आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त कर पूछताछ की, जिसमें आरोपी ने रायला में चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी की कार्यप्रणाली को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

थानाधिकारी मूल चंद वर्मा ने बताया कि आरोपी जिम्मी उर्फ दीपक बेहद शातिर किस्म का बदमाश है। वह दिल्ली से मुंबई और मुंबई से दिल्ली तक का सफर मोटरसाइकिल से तय करता है। इस दौरान हाईवे और रास्ते में आने वाले शहरों व गांवों में वह सूने और बंद मकानों की रेकी करता है। मौका पाकर वह कटर या अन्य औजारों से ताला तोड़कर घर में प्रवेश करता और कीमती आभूषण व नकदी पार कर देता। चोरी के माल को बेचकर वह अपने महंगे शौक, नशे पर खर्च करता था। पकड़े गए अभियुक्त जिम्मी उर्फ दीपक (32) पिता बिपिन शर्मा, निवासी नंदुरबार महाराष्ट्र, हाल सूरत गुजरात के खिलाफ अपराध का लंबा रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ महाराष्ट्र के नंदुरबार, शहादा, धुले और नासिक में 31 मामले, हरियाणा के रेवाड़ी और झज्जर जिलों में 12 मामले, गुजरात के नवसारी, सूरत, तापी, भरूच और अंकलेश्वर में 13 मामले, राजस्थान के उदयपुर प्रतापनगर, डूंगरपुर और भीलवाड़ा के रायला में 4 मामले दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जिससे राज्य और अन्य जिलों में हुई कई और वारदातों के खुलने की संभावना है।

जोधपुर में पति ने पत्नी को जलाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के अंदर सिवांची गेट स्थित मूलियों की चौकी में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार की सुबह घर में पत्नी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। उसकी पत्नी 40 फीसदी तक झुलस गई। बाद में उसे एमजीएच बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने पर्चा बयान पर अग्रिम कार्रवाई आरंभ की है। आरोपी पति घटना के बाद से फरार है। मामला खांडाफलसा थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी एएसआई मनोहर लाल ने बताया कि सिवांची गेट मूलियों की चौकी में रहने वाले मोहिनुद्दीन का शुक्रवार की सुबह आठ बजे अपनी पत्नी 24 वर्षीय फिरोदा के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पारिवारिक विवाद ने बाद में उग्र रूप ले लिया। इस पर मोहिनुद्दीन ने अपनी पत्नी फिरोदा पर घर में रखे किसी ज्वलनशील पदार्थ उस पर डाल दिया और आग लगा दी। इससे वह आग से झुलस गई।

एसआई भर्ती परीक्षा 2021 के आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू

- **पेपर लीक आरोपियों को आवेदन अपडेट की अनुमति नहीं**

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर अभ्यर्थियों के लिए आवेदन संशोधन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग की ओर से परीक्षा का पुनः आयोजन आगामी 20 सितंबर से प्रदेशभर के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को आवेदन में आवश्यक संशोधन करने का अवसर देते हुए 16 मई से 30 मई तक ऑनलाइन संशोधन विंडो खोली गई है।

आयोग के अनुसार अभ्यर्थी इस अवधि में अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी तथा पत्राचार पते सहित अन्य जानकारियों में सुधार कर सकेंगे। जिन अभ्यर्थियों ने अपनी एसएसओ आईडी बदल ली है, वे 'फेच एप्लीकेशन फॉर्म' विकल्प के माध्यम से पुराने आवेदन का डाटा नई प्रोफाइल में स्थानांतरित कर सकेंगे। इससे पूर्व आवेदन संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रूप से नए प्रोफाइल से जुड़ जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपडेट करना आवश्यक होगा। आयोग ने बताया कि केवल वही 3 लाख 83 हजार 97 अभ्यर्थी पुनः परीक्षा में शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने पूर्व में आयोजित लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में उपस्थिति दर्ज करवाई थी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की शुचिता भंग करने के मामले दर्ज हैं, उन्हें आवेदन अपडेट प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।